66/07-01-2022

दिनांक–04.01.2022 को निदेशक, भू–अभिलेख एवं परिमाप, बिहार, पटना की अध्यक्षता में विशेष सर्वेक्षण एवं बन्दोबस्त प्रक्रिया अंतर्गत GIS के कार्यों के संबंध में विभिन्न विशेषज्ञों के साथ की गई समीक्षात्मक बैठक की कार्यवाही।

उपस्थिति यथा संधारित।

दिनांक–04.01.2022 को निदेशक, भू–अभिलेख एवं परिमाप की अध्यक्षता में विशेष सर्वेक्षण एवं बन्दोबस्त कार्यों में मानचित्र की शुद्धता बनाए रखने एवं सर्वेक्षण के क्रम एकत्रित किए जा रहे खेसरों की भौतिक विवरणी संबंधी आंकड़ों के एकत्रीकरण जाँच एवं अनुश्रवण इत्यादि के संबंध में समीक्षात्मक बैठक की गई। बैठक में पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, श्री प्रो० (डॉ०) रासबिहारी सिंह, मो० अशरफ, सहायक प्राध्यापक, भूगोल विभाग, पटना विश्वविद्यालय, श्रीमती दीपा सिन्हा, वैज्ञानिक, बिहार सुदूर संवेदन उपयोग केन्द्र, तारामंडल, पटना एवं निदेशालय के एल०आई०एस० सलाहकार, जी०आई० एस० कोर्डिनेटर, श्री कुमार कन्हैया, प्रोग्रामर, श्री प्रिन्स कुमार एवं श्री कुणाल कुमार तथा विशेष सर्वेक्षण शाखा द्वारा भाग लिया गया गया।

बैठक में विमर्शोपरांत निम्नाकिंत बिन्दुओं पर निर्देश दिए गए एवं आवश्यक निर्णय लिए गएः–

(i) **विशेष सर्वेक्षण एवं बन्दोबस्त कार्य में मानचित्रों के निर्माण एवं GIS संबंधी कार्यों की तृतीय पक्ष से जाँच कराने के संबंध में**:– बैठक में विमर्शोपरांत इस बात की आवश्यकता महसूस की गई कि विशेष सर्वेक्षण एवं बन्दोबस्त प्रक्रिया अंतर्गत हवाई सर्वेक्षण एजेंसी द्वारा निर्मित किए जा रहे मानचित्रों की जाँच तथा संपूर्ण प्रक्रिया में GIS संबंधी कार्यों की जाँच के लिए आवश्यक है कि किसी तृतीय पक्ष द्वारा यह कार्य किया जाए।

निदेशित किया गया कि निदेशालय स्तर पर हवाई सर्वेक्षण एजेंसियों के द्वारा निर्मित मानचित्रों एवं GIS संबंधी कार्यो की जाँच के लिए तृतीय पक्ष (Third party) के रूप में बिहार सुदूर संवेदन एजेंसी (BRSC) द्वारा कार्य करने के लिए विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग के निदेशक को अनुरोध पत्र दिया जाए।

(ii) **मानक जाँच सूची (Standard Check List) का निर्माण एवं जाँच**:– बैठक में निदेशालय के जी०आई०एस० कोर्डिनेटर, श्री कुमार कन्हैया द्वारा बताया गया कि विशेष सर्वेक्षण एवं बन्दोबस्त प्रक्रिया अंतर्गत तैयार किए जानेवाले अधिकार–अभिलेख एवं मानचित्र को तैयार किए जाने के क्रम में ग्रामवार खेसरों से संबंधित भौतिक विवरणी का संधारण भू–सर्वेक्षण सॉफ्टवेयर में किया जा रहा है। संधारित भौतिक विवरणी (GIS Information) की जाँच का कार्य निदेशालय स्तर पर किया जा रहा है। बताया गया कि एजेंसी से प्राप्त मानचित्र के शुद्धता की जाँच हेतु एवं भौतिक विवरणी के जाँच, संधारण एवं अनुश्रवण के संबंध में कोई स्पष्ट मानक जाँच सूची उपलब्ध नहीं है और इस संपूर्ण कार्य के लिए स्पष्ट कार्य–प्रणाली भी निर्धारित नहीं है। जी०आई०एस० कोर्डिनेटर, श्री कुमार कन्हैया द्वारा यह भी बताया गया कि जिन ग्रामों के मानचित्रों का प्रारूप प्रकाशन एवं अंतिम प्रकाशन हेतु मानचित्र तैयार किया गया है, उनमें संधारित किए जा रहे GIS Layer की सूची GIS Lab द्वारा तैयार की गई है। सूची तैयार करने के क्रम में इस बात की आवश्यकता महसूस हुई है कि यदि किसी ग्राम में कोई GIS Information छुट जाता है अथवा उसमें संशोधन किया जाना हो तो उस संबंध में किस तरह कार्रवाई की जाएगी।

सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि GIS Layer के संधारण एवं शुद्धता तथा विशेष सर्वेक्षण अंतर्गत हवाई सर्वेक्षण एजेंसियों द्वारा निर्मित किए जा रहे मानचित्रों की शुद्धता की जाँच के लिए विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग के माध्यम से अनुरोध किया जाए एवं GIS Layer के संधारण प्रक्रिया के लिए मानक जाँच सूची निर्धारित की जाए। साथ ही GIS कोर्डिनेटर को निदेशित किया गया कि अंतिम रूप से प्रारूप प्रकाशित जिन ग्रामों के GIS प्रविष्टियों की जाँच निदेशालय स्तर पर की गई है, उनमें पाँच राजस्व ग्रामों के आंकड़ों BRSC को यथाशीघ्र उपलब्ध कराया जाए। उपस्थित BRSC की वैज्ञानिक श्रीमती दीपा सिन्हा से अनुरोध किया गया कि वे प्राप्त आंकड़ों की जाँच कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जाए।

(iii) <u>अन्य राज्यों में चल रहे भू–सर्वेक्षण प्रक्रिया में सुदूर संवेदन उपयोग केन्द्र की भूमिका के संबंध में</u>:– बैठक में प्रतिवेदित किया गया कि बिहार में किए जा रहे भू–सर्वेक्षण के समान ही उड़ीसा में भू–सर्वेक्षण का कार्य प्रारंभ किया गया है। जिसमें उड़ीसा सुदूर संवेदन उपयोग केन्द्र की प्रमुख भूमिका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उनके द्वारा भू–सर्वेक्षण की प्रक्रिया में हवाई सर्वेक्षण एजेंसी द्वारा तैयार किए गए मानचित्रों की जाँच की जाती है।

बिहार सुदूर संवेदन उपयोग केन्द्र की प्रतिनिधि श्रीमती दीपा सिन्हा से अनुरोध किया गया कि उड़ीसा सुदूर संवेदन केन्द्र से संपर्क स्थापित कर वहाँ की कार्य–प्रणाली एवं कार्य की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जाए एवं इस संबंध में एक प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जाए ताकि बिहार राज्य में चल रहे विशेष भू–सर्वेक्षण में बिहार सुदूर संवेदन उपयोग केन्द्र की भूमिका निर्धारित करने के संबंध में विचार किया जा सके। श्रीमती सिन्हा द्वारा यह बताया गया कि ISRO द्वारा संचालित प्रोजेक्ट अंतर्गत Bhuvan- Yuktdhara Geospatial Planning Portal for Geo-MGNREGA चलाई जा रही है, जिसमें विभिन्न राज्यों द्वारा ग्राम स्तर पर संकलित किए जाने वाले GIS Information को एक स्थान पर संधारित किया जा रहा है।

जी0आई0एस0 कोर्डिनिटेर, कुमार कन्हैया को निदेशित किया गया कि ISRO की उक्त योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर उपस्थापित करेंगे।

(iv) <u>मानचित्रों में संधारित Template एवं संकेत चिन्ह</u>:– बैठक में GIS कोर्डिनेटर द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि विशेष सर्वेक्षण प्रक्रिया अंतर्गत जो मानचित्र तैयार किए जा रहे हैं, उनमें विगत् सर्वेक्षण के Template की समीक्षा कर नए Template का निर्धारण किया जाना आवश्यक है। साथ ही ळैप् प्रविष्टियों से संबंधित 177 संकेत चिन्ह निर्धारित किए जाने है, उनमें 159 संकेत चिन्ह उपलब्ध हैं एवं 18 का संकेत चिन्हों का निर्माण किया जाना है।

निदेश दिया गया कि GIS Lab और विशेष सर्वेक्षण शाखा समन्वय स्थापित कर मानचित्रों में तैयार कर यथाशीघ्र प्रस्ताव उपस्थापित करेंगे।

(v) <u>GIS कोर कमेटी का गठन</u>:– बैठक में विमर्शोपरांत इस बात पर सहमति व्यक्त की गई कि विशेष सर्वेक्षण प्रक्रिया में मानचित्रों की शुद्धता बनाए रखने एवं GIS संबंधी कार्यों के संबंध में विशेषज्ञों का परामर्श प्राप्त किया जाना आवश्यक है। अतः भू–अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय स्तर पर GIS Core Committee का गठन किया जाए, जिसमें विशेषज्ञों के रूप में श्री प्रो0 (डॉ0) रासबिहारी सिंह, पूर्व कुलपति पटना विश्वविद्यालय–सह–पूर्व अध्यक्ष भूगोल विभाग, पटना विश्वविद्यालय, मो0 अशरफ एवं डॉ सुप्रिया, सहायक प्राध्यापक, भूगोल विभाग–सह–GIS विशेषज्ञ, पटना विश्वविद्यालय एवं बिहार सुदूर संवेदन उपयोग केन्द्र, पटना के प्रतिनिधि को शामिल किया जाए। उक्त कमेटी की नियमित मासिक बैठक की जाए एवं बैठक में शामिल होने वाले विशेषज्ञों को प्रति बैठक शामिल होने हेतु निर्धारित राशि का भुगतान करने का प्रस्ताव तैयार कर विभागीय स्तर से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाए।

जी0आई0एस0 कोर्डिनिटेर, कुमार कन्हैया को निदेशित किया गया कि कोर कमेटी के विचारणीय बिन्दुओं का संकलन तैयार कर लिया जाए।

(vi) **भू–नक्शा सॉफ्टवेयर के संबंध में:–** बैठक में प्रतिवेदित किया गया कि विशेष सर्वेक्षण प्रक्रिया अंतर्गत मानचित्रों एवं उनके कोर्डिनेट के संधारण हेतु पूर्व से बनाए गए भू–नक्शा सॉफ्टवेयर में सुधार किये जाने की आवश्यकता है और इस संबंध में एन0आई0सी0 से अनुरोध भी किया गया है। एन0आई0सी0 द्वारा कार्यबल उपलब्ध कराने का अनुरोध किए जाने पर उन्हें कार्यबल उपलब्ध भी करा दिया गया है, किन्तु अभी तक एन0आई0सी0 द्वारा भू–नक्शा सॉफ्टवेयर में आवश्यक सुधार नहीं किया गया है।

निदेशित किया गया कि एन0आई0सी0 को भू–नक्शा सॉफ्टवेयर में सुधार करने हेतु स्मारित किया जाय। बैठक में उपस्थित सदस्यों से भी भू–नक्शा सॉफ्टवेयर के संबंध में आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया।

(vii) **GIS के प्रशिक्षण के संबंध में** – बैठक में विमर्शोपरान्त इस बात की आवश्यकता महसूस की गई कि विशेष सर्वेक्षण प्रक्रिया अंतर्गत जी0आई0एस0 कार्यो से संबंधित कर्मियों को प्रशिक्षण दिये जाने की आवश्यकता है। प्रशिक्षण देने के लिए एक प्रशिक्षण मॉडूयल भी बनाया जाना आवश्यक है।

बैठक में उपस्थित BRSC की प्रतिनिधि श्रीमति दीपा सिन्हा से अनुरोध किया गया कि निदेशालय में जो भी कर्मी जी0आई0एस0 से संबंधित कार्य कर रहे हैं उनको BRSC में प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की जाए एवं प्रशिक्षण के लिए एक मॉडूयल भी तैयार किया जाए।

(viii) **SOP (Standard Operating Procedure) का संधारण:–** बैठक में जी0आई0एस0 कोर्डिनेटेर, कुमार कन्हैया को निदेशित किया गया कि विशेष सर्वेक्षण प्रक्रिया अंतर्गत GIS संबंधी कार्यों के संचालन के संबंध में एक SOP तैयार कर बैठक में उपस्थित सदस्यों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

(ix) **GIS Lab के संबंध में:–** बैठक में प्रतिवेदित किया गया कि निदेशालय स्तर पर कार्यरत GIS Lab की संरचना, पदबल की पदस्थापना इत्यादि के संबंध में कार्रवाई किया जाना आवश्यक है। यह भी बताया गया कि इस संबंध में भारत सरकार को भू–अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय स्तर पर स्थापित किए जाने वाले GIS Lab के संबंध में प्रस्ताव समर्पित किया गया है।

निदेशित किया गया कि GIS Lab के संबंध में भारत सरकार को भेजे गए प्रस्ताव के बारे पुनः स्मार–पत्र समर्पित किया जाए।

अंत में सधन्यवाद बैठक की कार्यवाही समाप्त की गई।

निदेशक
भू–अभिलेख एवं परिमाप
बिहार, पटना।

ज्ञापांक: 17–वि0सर्वे0–मानचित्र सत्यापन–273 / 2016.....66.....**पटना, दिनांक:** 07-01-2022

प्रतिलिपि:–प्रधान सचिव, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ प्रेषित।

निदेशक
भू–अभिलेख एवं परिमाप

ज्ञापांकः 17–वि0सर्वे0–मानचित्र सत्यापन–273 / 2016.....66.....**पटना, दिनांकः**07-01-2022

प्रतिलिपिः– निदेशक, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, बिहार, पटना / परियोजना निदेशक, बिहार सुदूर संवेदन उपयोग केन्द्र, तारामंडल, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ हेतु प्रेषित।

निदेशक
भू–अभिलेख एवं परिमाप

ज्ञापांकः 17–वि0सर्वे0–मानचित्र सत्यापन–273 / 2016.....66.....**पटना, दिनांकः**07-01-2022

प्रतिलिपिः– प्रो0 (डॉ0) रासबिहारी सिंह, पूर्व कुलपति, पटना विश्वविद्यालय, पटना / मो0 अशरफ, सहायक प्राध्यापक, पटना विश्वविद्यालय, पटना / श्रीमती दीपा सिन्हा, वैज्ञानिक, बिहार सुदूर संवेदन उपयोग केन्द्र, तारामंडल, पटना / श्री अखिलेश कुमार झा, एल0आई0एस0 सलाहकार को सूचनार्थ प्रेषित।

निदेशक
भू–अभिलेख एवं परिमाप

ज्ञापांकः 17–वि0सर्वे0–मानचित्र सत्यापन–273 / 2016.....66.....**पटना, दिनांकः**07-01-2022

प्रतिलिपिः– सहायक निदेशक / प्रशाखा पदाधिकारी / प्रभारी, विशेष सर्वेक्षण कोषांग / प्रभारी, आई0टी0सेल / श्री कुमार कन्हैया, जी0आई0एस0 कोर्डिनेटर, भू–अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ हेतु प्रेषित।

निदेशक
भू–अभिलेख एवं परिमाप

ज्ञापांकः 17–वि0सर्वे0–मानचित्र सत्यापन–273 / 2016.....66.....**पटना, दिनांकः**07-01-2022

प्रतिलिपि : अपर मुख्य सचिव, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार, पटना के प्रधान आप्त सचिव को सूचनार्थ प्रेषित।

निदेशक
भू–अभिलेख एवं परिमाप